

प्रेषक,

सुबर्द्धन

अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

संस्कृति निदेशालय,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून दिनांक : 28 नवम्बर, 2008

**विषय :-** स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व० श्री केदार सिंह जी की स्मृति ग्राम बिसोई के समीप नागथात नामक स्थान पर आदमकद प्रतिमा स्थापित किए जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप के पत्र सं-689/स.नि.उ./दो-3/2008, दि०-11-7-08 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व० श्री केदार सिंह जी की स्मृति ग्राम बिसोई के समीप नागथात नामक स्थान पर आदमकद प्रतिमा स्थापित किए जाने हेतु टी०ए०सी० द्वारा औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि रु० 9.27 लाख (रु० नौ लाख सत्ताईस हजार मात्र) शासनादेश सं-208/VI-I/2008 दि०-8-5-08 के द्वारा आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि से श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन व्यय किए जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा जिन मदों में यह स्वीकृत किया जा रहा है। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्रदान करना आवश्यक है। ऐसे व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। कार्य को समयबद्ध ढंग से इसी वित्तीय वर्ष में शीघ्र पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
2. किसी भी मद में व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, भण्डार कय नियम तथा मितव्ययता सम्बंधी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उपकरणों का कय डी०जी०एस०एन०डी० दरों पर किया जाएगा और ये दरें न होने की स्थिति में टेंडर कोटेशन विषयक नियमों का अनुपालन करते हुए ही किया जाएगा।
3. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
4. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गटित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी। बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाये एवं

सामग्री क्रय करने से पूर्व स्टोर परचेज नियमों का पालन कराना सुनिश्चित करें। एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

5. कार्य करने से पूर्व सनस्त औपचारिकतायें, तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरो/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

6. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भूतली-भांति निरीक्षण कर उच्चाधिकारियों द्वारा अवश्य करा लें, निरीक्षण के बाद स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुसार कार्य कराया जाये।

7. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

8. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक- 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-04-कला एवं संस्कृति-आयोजनागत 106-संग्रहालय-03-संग्रहालय भवन संबंधी निर्माण-00-24वृहद निर्माण कार्य भवनक मद के आयोजनागत पक्ष के नामे डाला जायेगा।

9. परीक्षित आगणन की प्रति संलग्न है।

10. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ०शा० पत्र संख्या-399 (मी)/XXVII(3)/2008 दिनांक- 20, नवम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(सुबर्द्धन)

अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या- /VI-I/2008-2(28)/2008 तदुदिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा०संस्कृति मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
5. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन/बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, देहरादून।
6. एन.आई.सी. उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
7. मीडिया सेन्टर।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

17/11  
(श्याम सिंह)  
अनुसचिव